विचार बिन्दु

सौन्दर्य से नारी अभिमानी बनती है, उत्तम गुणों से उसकी प्रशंसा होती है और लज्जाशील होकर वह देवी बन जाती है। –शेक्सपियर

बालिकाओं के प्रति घटित वीभत्स कांडों से समाज से नैतिकता व मनुष्यता तिरोहित प्रायः

राजस्थान प्रदेश में क्या हो रहा है, पुरुष के एक वर्ग ने क्या सामूहिक निर्णय ले लिया है कि स्त्री वर्ग को समूल मिटा कर दम लेंगे? ज्ञात रहे, ऐसे प्रकरणों पर शासन और प्रशासन सदैव निष्क्रिय और मूक रहे हैं। यह स्तिथि अभी लम्बे समय तक विध्यमान रहने की सम्भावना है जब तक त्वरित और कठोर सजा का खौफ सदैव न बना रहे । और सजा का ऐसा खौफ तब तक नहीं रहेगा जब तक देश में पार्टी सिस्टम डेमोक्रेसी विद्यमान रहेगी अथवा स्त्री वर्ग बालक के जन्म के समय ही उसका जीवन समाप्त न कर दे। बालिका को बचाने के लिए स्त्री वर्ग को अपनी प्रजाति के संरक्षण के लिए ऐसे काम को कभी न कभी अंजाम देना ही पडेगा।

सजा का खौफ तो हमारी सरकारे पैदा नहीं कर सकेंगी, क्योंकि इस खौफ के लिए छप्पन इंच का सीना नहीं अपितु छप्पन गुना मनोबल चाहिए स्त्री सुरक्षा और शांति के शासन के लिए। अभी कुछ समय पहले ही हमारे अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त देश के प्रधान मंत्री को एक विडिओ में यह कहते सुना कि वे उपद्रवियों पर कभी गोली चलाने का आदेश नहीं देंगे, भले ही उन्हें खुद मरना पडे। मेरे विचार से उन्हें इस सोच के रहते बिना समय गवाए दिल्ली की गद्दी छोड कहीं हिमालय में जाकर तपस्या में लींन हो जाना चाहिए, ताकि कोई अन्य इस देश की जनता के मन से विध्यमान खौफ को निष्काषित कर प्रजा को भय मुक्त वातावरण सुलभ करा सके।

पता नहीं उन्होंने यह पद क्यों चुना? वैसे तो अपने को रामभक्त प्रदर्शित करते हैं लेकिन राम चरित से उन्होंने कोई सबक नहीं सीखा। रामचरित मानस में महात्मा तुलसीदास ने 'भय बिन होय न प्रीत..' की एक चौपाई सुंदर कांड में लिखी है :– जब श्रीराम के सभी विनय, प्रार्थना आदि कर्म प्रभावहीन रहे और उन्हें सागर पार जाने का कोई रास्ता मिलता न दिखा : तब,

''विनय न मानत जलधि जड़ गए तीन दिन बीति,
बोले राम सकोप तब भय बिनु होय न प्रीति।''

और उन्होंने धनुष पर बाण चढ़ा कर संधान करना ही चाहा कि तुरंत समाधान प्रस्तुत हो गया। तात्पर्य यह है कि शासन करने के लिए कठोरता आवश्यक होती है। सदैव यदि आप विनम्रता ही प्रदर्शित करेंगे, फिर तो फौज को हथियारबंद होने की भी जरुरत ही नहीं, भाई चारे और विनम्रता से ही सभी प्रकार के विवाद सुलझ सकते है तो सुलझाइये और सभी फ़ौजिओं को घर भेज दीजिये, कम से कम उनकी जान तो जोखिम से बचेगी और देश का खर्च भी बचेगा और जनता पर टैक्स भी कम हो जायेगा।

देश में पुलिस से बन्दूक पहले की सरकारों ने छीन ली और अब जहाँ बंदूकें चलती हों वहां हमारे पुलिस वाले एक छोटा डंडा (लाठी भी नहीं) लेकर व्यवस्था सभालते दीखते हैं, भले ही उपद्रवी उन्हें गोली मार दे क्योंकि उन्हें गोली से मरने की ही तन्खा सरकार देती है जैसे। उनके कोई घरवार, परिवार नहीं हो और उनकी जान की कोई कीमत नहीं हो? अभी हरियाणा के नूह कस्बे में हिंसा भडक गयी वहां डंडा धारी पुलिस ही विडिओ में दिखी। और अब ख़बरें आ रही हैं कि हिन्दू औरतों के साथ बलात्कार भी हुआ। याद रहे राजस्थान प्रदेश के हरियाणा के समीपवर्ती क्षेत्र अलवर आदि जिले भी संवेदनशील हैं।

महिला राष्ट्रपति, महिला आयोग, महिला अधिवक्ता, जज, इत्यादि न जाने कितने पद सम्बंधित क्षेत्रों के विधायक सांसद चुप्पी साधे हुए हैं। महिलाओं के लिए कोई बोलने वाला दीखता नहीं। महिलाओं के लिए अनेक पद सरकारी विभागों में सृजित किये गए हैं। फिर भी प्रदेश में बालिकाओं और महिलाओं की दुर्दशा?

बड़े अफ़सोस के साथ लिखना पड रहा है कि राजस्थान में समाज विवेकहीन, उद्दंड और असामाजिक हो चुका है अनुशासनहीनता चरम पर है। महिलाओं व् छोटी बालिकाओं पर ऐसे हमले हो रहे हैं जिन्हें सुनकर रूह काँप जाती है। उदाहरण के लिए मैं यहाँ केवल अभी घटित एक जघन्य घटना का ही जिक्र कर रहा हूँ। प्रदेश के भीलवाड़ा जिले के कोटड़ा में एक नाबालिक बालिका को संभवत: बलात्कार कर मार दिया और फिर उसके शरीर के टुकड़े कर भट्टी में जला दिए। संयोग से शरीर का एक हिस्सा किसी प्रकार बच गया, जिससे अपराध की पुष्टि हो पाई। अब आगे पुलिस कुछ कार्यवाही कर रही होगी? ऐसा सदैव होता है।

बड़े ही आश्चर्य की बात है राज्य के मुख्यमंत्री व् अन्य सम्बंधित मंत्री और पुलिस को कोई सरोकार नहीं कि प्रदेश में प्रशासन इतना असंवेदनशील, निष्क्रिय और आम जनता खासकर बालिकाओं व् महिलाओं के प्रति पूर्ण रूप से उदासीन क्यों बन गया है? कुछ भी कारण हो प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से राज्य के मुख्य मंत्री ही इस तरह के आपराधिक वातावरण के लिए जिम्मेदार हैं। मुझे याद है कि काफी पहले केवल एक अफसर श्री शेषन अकेले उस समय चुनाव आयुक्त ने ऐसी नकेल डाली थी कि सभी जनप्रतिनिधि लाइन में आ गए थे।

अभी भी राजस्थान के उत्तरी और दक्षिणी भागों में महिलाओं के विरुद्ध सर्वाधिक अपराध रिपोर्ट हो रहे हैं। ऐसा क्यों? महिला राष्ट्रपति, महिला आयोग, महिला अधिवक्ता, जज, इत्यादि न जाने कितने पद सम्बंधित क्षेत्रों के विधायक सांसद चुप्पी साधे हुए हैं। महिलाओं के लिए कोई बोलने वाला दीखता नहीं। महिलाओं के लिए अनेक पद सरकारी विभागों में सृजित किये गए हैं। फिर भी प्रदेश में बालिकाओं और महिलाओं की दुर्दशा? मेरा निष्कर्ष इस सम्बन्ध में यह है कि ये सब प्रावधान महिला वर्ग के वोट लेने के लिए ही किये गए हैं न तो अन्य कोई प्रयोजन और न किसी अन्य कार्य में इस वर्ग की कोई पूछ?

राज्य सरकार की ऐसी स्तिथिओं में नाकाबिलियत का एक और उदाहरण मुख्य मंत्री ने प्रदेश की जनता को दिखा दिया और वह यह कि विधान सभा में उनके ही एक मंत्री ने मणिपुर की घटनाओं पर चर्चा के दौरान खड़े होकर यह कह दिया कि 'मणिपुर से पहले हम अपने घर (प्रदेश) की तरफ भी विचार करें तो उत्तम होगा।' इस बात पर मुख्य मंत्री इतने नाराज़ हो गये कि उन्होंने उक्त मंत्री को मंत्री पद से ही बर्खास्त कर दिया। मंत्री अपने स्थान पर बिलकुल सही था लेकिन मुख्य मंत्री लोकतंत्र की दुहाई देते हुए भी तानाशाही कार्य कर बैठे। निश्चित रूप से उनका यह कार्य कोई भी विवेकशील व्यक्ति उचित नहीं ठहराएगा। मुख्यमंत्री की अखबारी सलोनी छवि धूमिल हो गई। यह ऐसा मसला नहीं था जिसे मुख्यमंत्री उसी समय सम्बंधित मन्त्री को कहकर मणिपुर के मुद्दे के पश्चात् सम्वाद करवा लेते। खैर, यह उनका मामला है दो व्यक्तिओं के बीच का। लेकिन मेरा तो यह मत है कि इसका सन्देश अगले चुनाव तक रहने वाला है।

पूर्व में मैं अनेक सम्पादकीय लेख इसी अखबार में छपा चुका हूँ। जिनमे एक–दो में मैंने बलात्कार के मामले में सजा के तौर पर बधिया करने की सलाह भी दी थी। उससे पूर्व मद्रास हाई कोर्ट के एक जज ने भी बधियाकरण की सजा का प्रस्ताव दिया था। ऐसे प्रस्ताव या तो सुप्रीम कोर्ट अथवा लोक सभा संज्ञान ले लेकिन उन्हें ऐसे मामलों पर विचार करने का समय ही नहीं है। और बलात्कार से पीड़ित बालिका के वास्ते और महिला जजों और महिला आयोग के लिए यह कोई प्रमुख मुद्दा नहीं। पता नहीं इस प्रजातांत्रिक व्यवस्था में कभी कोई सम्वेदनशील व्यक्ति आएगा जो समाज से इस दूषण को साफ़ कर सके ?

यह लेख मैं केवल जनता और सामाजिक सरोकारों से ओतप्रोत लोगों के लिए लिख रहा हूँ। स्त्री वर्ग भी इस मुद्दे पर संवेदन शील बने तभी निराकरण कुछ संभव होगा। सरकार और राजनीतिज्ञों से कोई आशा नहीं उनका काम तो सिर्फ वोट तक ही सीमित रहता है। राज्य में शायद महिला आयोग भी कार्यशील है उसे मैं समाप्त करने की अनुशंसा करता हूँ। ऐसे सफ़ेद हाथी अनेक हैं जो जनता के टैक्स से अर्जित धन पर मुख्य मंत्री के संरक्षण में डाका डाल रहे हैं। अगले लेख में मैं इन मुद्दों पर लेख लिखूंगा जो जनता पर अनावश्यक टेक्सों का बोझा बने हुए हैं।

विद्वान लेखक भी, इन सब की लिस्ट अभी बनाना शुरू कर दें। जनता भी अभी से सजग होकर आने वाले प्रत्याशी से उन सभी फ़िज़ूल पद और विभागों को बंद कराने अथवा समाप्त कराने का शपथ पत्र भरवा ले। अवसर आने पर उनका उपयोग किया जा सकेगा।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर-राज.)

किशनगढ़ बास में पेयजल व्यवस्था बिगड़ने से लोगों में आक्रोश

उपभोक्ता स्वयं के पैसे पर पानी के टैंकर मंगवाकर पानी पी रहे हैं

किशनगढ़ बास, (निसं)। नवगठित खैरथल तिजारा जिले के किशनगढ़ बास की नगर पालिका क्षेत्र में जनता जल अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी आमजन के प्रति कितने सजग हैं यह शहर की पेयजल सप्लाई व्यवस्था को देखकर लगाया जा सकता है। नगर पालिका क्षेत्र में कुछ ऐसे भी भाग हैं जहां एक साल से घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। यही नहीं पूरे शहर में पानी को लेकर हालात खराब है। विभाग अलग–अलग जोन बनाकर तीन से चार दिन में एक बार पानी की सप्लाई को काटकर शहर में पानी की आपूर्ति कर रहा है। यह बात अधिकारियों को भी मालूम है और वार्ड पार्षदों से लेकर नगर पालिका अध्यक्ष विधायक को पता है कि शहर में अनेकों लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। यह भी मालूम है कि उपभोक्ता स्वयं के पैसे पर पानी के टैंकर मंगाकर पानी पी रहे हैं। फिर भी सबके सब चुप हैं कोई नहीं बोल रहा है।

बाजार से टैंकर मंगा कर पाइप से घर की टंकी को भरते लोग।

- कहीं एक दिन छोड़कर आ रहा है पानी तो कहीं चार दिन में एक दिन हो रही है कटौती
- 'वार्ड नंबर एक की शारदा कॉलोनी और मुख्य बाजार में पानी की समस्या बनी हुई है। जल्दी ही ट्यूबेल कराकर पानी की समस्या को ठीक कराया जाएगा'

भाजपा के नेता एवं पार्षद आवाज उठाते हैं तो अधिकारी सुनवाई नहीं करते। वार्ड 11 के मैन बाजार में करीब 1 साल से पानी की समस्या बनी है। ऐसी ही समस्या खैरथल रोड माहवर भवन के सामने वार्ड नंबर 1 में बनी है। दोनों ही वार्ड में भाजपा के पार्षद हैं। इसी प्रकार पुराना बाजार हनुमान मंदिर के पीछे लोगों के घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। राजेश जांगिड़, एडवोकेट सुनील जैन, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष मनोज व्यास, डॉ. गोस्वामी सोनू जगदीश मित्तल जैसे अनेकों उपभोक्ता है जो एक साल से पानी को लेकर चिल्ला रहे हैं, पर इनकी कोई नहीं सुन रहा है। यह लोग बताते हैं पानी नहीं पहुंच रहा है और ऊपर से बिल भेजे दिए जाते हैं। विभाग ने मीटर लगाए हुए हैं लेकिन कोई रीडिंग लेने नहीं आता है। मनमर्जी से विभाग रीडिंग दर्ज कर बिल भेज रहा है। बिल भी 3 से 6 महीने में दिए जा रहे हैं जो उपभोक्ताओं के लिए परेशानी बने हुए हैं।

डॉक्टर गोस्वामी ने बताया कि पानी के लिए 3:30 बजे से उठ कर बैठ जाते हैं। चार बजे पानी आता है। फिर लाइट जाने पर दो बाल्टी पानी आता है वह भी कई बार बिल्कुल ही नहीं आता है। बिना लाइट के पानी में प्रेशर ही नहीं होता है। पैसा देकर पानी के टैंकर मंगाने पड़ रहे हैं और बिल हजारों लीटर पानी का आ रहा है।

एडवोकेट सुनील जैन ने बताया कि वाटर सप्लाई की सूचना का आदान प्रदान करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया हुआ है। ग्रुप में प्रतिदिन पानी की सप्लाई को लेकर लिखता हूं लेकिन ना तो कोई समस्या पूछने आता है और ना कोई आकर देखता है।

इसी प्रकार नगर पालिका क्षेत्र के गांव बास कृपाल नगर में लोग पानी को लेकर तरस रहे हैं। बास कृपाल नगर के पूर्व पार्षद पंकज गुप्ता और मनोज सोनी ने बताया कि एक दिन छोड़कर एक दिन पानी आ रहा है। यही बात बास कृपाल नगर मुख्य श्याम मंदिर गेट के समीप कॉलोनी की महिलाएं बताती है कि पानी एक दिन छोड़कर आ रहा है। यह समस्या आज की नहीं कई महीनों से चली आ रही है। कई बार शिकायत की गई पर कोई सुनता ही नहीं है।

जल अभियंत्रिकी विभाग के सहायक अभियंता प्रदीप शर्मा का मानना है कि वार्ड नंबर एक की शारदा कॉलोनी और मुख्य बाजार में पानी की समस्या बनी हुई है। जल्दी ही ट्यूबेल कराकर पानी की समस्या को ठीक कराया जाएगा। मुख्य बाजार में पानी की समस्या को देखते हुए पुलिस थाने के सामने ट्यूबवेल कराया गया है जल्द ही बाजार की लाइन से जोड़ दिया जाएगा। शारदा कॉलोनी की समस्या को भी जल्द ही दूर कराया जाएगा। कर्मचारी द्वारा गड़बड़ किए जाने की शिकायत सामने आई थी जांच कराई गई लेकिन ऐसी कोई बात सामने नहीं आई जिससे कि कर्मचारी की वजह से पानी की समस्या बनी हुई हो।

उत्कर्ष क्लासेज़ के ''आज़ादी महोत्सव ऑफर'' का आज अंतिम दिन

650 से अधिक ऑनलाइन कोर्सेज़ पर छूट दी जा रही है

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा अपने सभी ऑनलाइन कोर्सेस पर रखे गए आजादी महोत्सव ऑफर का आज अंतिम दिन है। इस ऑफर के तहत उत्कर्ष एप में उपलब्ध 650 से अधिक ऑनलाइन कोर्सेस पर 13 अगस्त से 17 अगस्त तक विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत तक की भारी छूट दी जा रही है।

उत्कर्ष क्लासेस के फाउंडर एंड सीईओ डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि देश की आजादी की 76वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा पाँच दिवसीय आजादी महोत्सव ऑफर की घोषणा की गई थी जिसके अंतर्गत उत्कर्ष एप में उपलब्ध विभिन्न केंद्र एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं सहित प्रवेश परीक्षाओं तथा स्कूली ट्यूशन कक्षाओं के ऑनलाइन कोर्सेस पर भारी छूट दी जा रही है। देश के विभिन्न राज्यों के अनेक विद्यार्थी इस ऑफर के तहत तैयारी हेतु अपने पसंदीदा ऑनलाइन कोर्स प्राप्त कर लाभान्वित हो रहे हैं। इसके साथ ही 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट उन विद्यार्थियों को दी जा रही है जो उत्कर्ष एप से कोई भी कोर्स/ टेस्ट/ पुस्तक प्राप्त कर एक्टिव यूजर है।

डॉ. निर्मल गहलोत

- सभी ऑनलाइन कोर्सेस पर 90 प्रतिशत तक डिस्काउंट दिया जा रहा है
- 'देश की आजादी की 76वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा पांच दिवसीय आजादी महोत्सव ऑफर की घोषणा की गई थी'

गौरतलब है कि उत्कर्ष एप में आईएएस, आरएएस, यूपीपीएससी, एमपीपीएससी, एसएससी, बैंक, रेलवे, केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) इत्यादि के अतिरिक्त विभिन्न राज्यों के राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं सहित नीट–जेईई, क्लेट, सीयूईटी, डिफेंस, नर्सिंग, कृषि, न्यायिक सेवा परीक्षा, इंजीनियरिंग के ऑनलाइन कोर्सेस तथा सीबीएसई एवं विभिन्न राज्य बोर्ड की कक्षा 6 से 12 तक (हिंदी व अंग्रेजी माध्यम) के ऑनलाइन ट्यूशन कोर्सेस उपलब्ध हैं। इन सभी श्रेणियों पर 17 अगस्त तक यह डिस्काउंट ऑफर उपलब्ध है। इसके साथ ही उत्कर्ष एप के ऑनलाइन कोर्सेस ई–मित्र या आरकेसीएल अथवा सीएससी से प्राप्त करने पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट दी जाती है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में गर्मी से बालिका अचेत हुई, मौके पर एम्बुलेन्स की व्यवस्था नहीं थी

सायला, (निसं)। जालोर जिले में सायला के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में उपखण्ड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन हुआ। वहीं स्वतंत्रता दिवस के दिन दो ऐसी घटनाएं हुई जिससे इस राष्ट्रीय पर्व के उत्सव में ग्रामीणों का उत्साह एवं जोश कम हो गया। पहली घटना में प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों का असंवेदनशील चेहरा नजर आया, जबकि दूसरी घटना करीबन 50 वर्षों से आयोजित होने वाले वॉलीबॉल के मैत्री मैच की परम्परा टूटने से संबंधित है।

सायला के खेल मैदान में उपखण्ड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के बैठने के लिए मंच पर एवं नागरिकों के बैठने के लिए मंच के दाएं एवं बाएं और पांडाल में कुर्सियों की व्यवस्था की गई। लेकिन नागरिकों के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से अधिकांश ग्रामीण कड़ी धूप में मंच के सामने खड़े नजर आए। इसके साथ ही स्कूली विद्यार्थियों के बैठने के लिए छाया आदि की व्यवस्था नहीं की गई। इस दौरान कार्यक्रम देखने आई एक बालिका गर्मी के कारण अचेत हो गई। जिसे आसपास खड़े लोगों ने मुंह पर पानी डालकर होश में लाने का प्रयास किया लेकिन बच्ची अचेत ही रही। इसके बाद बच्ची को उसके रिश्तेदार एवं लोग उपचार के लिए अस्पताल ले जाने लगे। लेकिन उपखण्ड स्तरीय समारोह में पूर्व निर्देश होने के बावजूद मौके पर आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेन्स की व्यवस्था नहीं थी एवं एम्बुलेंस नदारद थी। हालांकि मंच से अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि राष्ट्रवाद एवं व्यक्तिवाद का अंतर बताते हुए लम्बे चौडे भाषण के बाद अपनी कुर्सी पर जाकर बैठ गए। उस मंच पर उपखण्ड अधिकारी ताराचन्द वेंकट, तहसीलदार कौशल्या जांगिड़, विकास अधिकारी मनमोहन मीणा, बीसीएमओ डॉ. रघुनन्दन बिश्नोई, थानाप्रभारी बाबुलाल, प्रधान ढोमीदेवी, डॉ. दरगाराम चौधरी, सीबीईओ भंवरलाल परमार समेत अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि बैठे हुए थे। जो अपने–अपने वाहनों की सहायता से समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे।

- आसपास खड़े लोगों ने मुंह पर पानी डालकर होश में लाने का प्रयास किया लेकिन बच्ची अचेत ही रही

लेकिन किसी ने भी उस अचेत बालिका के जीवन का मूल्य नही समझा। हालांकि बाद में एम्बुलेंस के अभाव में एम्बुलेंस चालक किशनसिंह द्वारा अचेत बालिका को एक प्राईवेट कार से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार के बाद आगे रेफर किया गया। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर लभगभ 50 वर्षों से प्रतिवर्ष राउमावि सायला के प्रांगण में ग्रामीण एवं प्रशासन के बीच वॉलीबॉल का मैत्री मैच आयोजित होता है, लेकिन इस वर्ष जिम्मेदारों की लापरवाही एवं उदासीनता के कारण यह वर्षों पुरानी परंपरा टूट गई। दरअसल 8 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर तहसीलदार कौशल्या जांगिड की अध्यक्षता में पंचायत समिति सभागार में बैठक का आयोजन हुआ था। बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों हेतु प्रभारियों की नियुक्ति कर जिम्मेदारियां सौंपी गई थी। उक्त बैठक में ग्रामीण एवं प्रशासन के बीच वॉलीबॉल का मैत्री मैच राउमावि सायला के प्रांगण में दोपहर चार बजे आयोजित करने का निर्णय लिया था। जिसकी जिम्मेदारी व्याख्याता महेन्द्र जीनगर की उपस्थिति में राउमावि सायला को सौंपी गई थी। लेकिन स्वतंत्रता दिवस के दिन वॉलीबॉल का मैत्री मैच निर्धारित खेल स्थल राउमावि सायला के प्रांगण में करवाने की बजाय बैठक में लिए गए निर्णय की अवहेलना करते हुए राउमावि के खेल मैदान में आयोजित करवाने की घोषणा मुख्य समारोह में संस्थाप्रधान द्वारा करवाई गई। इसके बावजूद दोपहर 4 बजे तक खेल मैदान में वॉलीबॉल का मैदान तैयार नहीं करवाया गया। हालांकि साढे चार बजे के बाद मैदान में नेट तो लगाई गई लेकिन लाइनिंग समेत अन्य व्यवस्था नहीं होने एवं जिम्मेदारों की अनुपस्थिति में मैत्री मैच का निरस्त किया गया। हरीराम खिलाड़ी प्रशासन टीम का कहना था कि मैं निर्धारित समय पर राउमावि सायला के प्रांगण में मैत्री मैच के लिए गया था। लेकिन वहां मैदान तैयार नहीं होने से खेल मैदान आ गया। यहां भी साढे चार बजे तक मैदान तैयार नहीं था। हालांकि इसके बाद नेट लगाई गई लेकिन लाइनिंग आदि नहीं होने से मैत्री मैच नहीं हो पाया।

डूंगरसिंह देवड़ा, खिलाड़ी ग्रामीण टीम ने बताया कि प्रतिवर्ष वॉलीबॉल का मैत्रीमैच आयोजित होता है, लेकिन संस्था प्रधान द्वारा विद्यालय में लगे वॉलीबॉल के पोल उखाड़ दिए गए। वहीं खेल मैदान में भी मैत्री मैच के आयोजन के लिए कोई व्यवस्था एवं तैयारी नही की गई थी। जिसके चलते वर्षों पुरानी मैत्रीमैच की परंपरा टूट गई।

लहरीराम, प्रधानाचार्य राउमावि सायला का कहना है कि वॉलीबॉल के मैत्र मैच आयोजन हेतु मैदान तैयार करने एवं अन्य व्यवस्था के लिए विद्यालय के स्टाफ को निर्देश दिए थे, लेकिन उन्होंने मैदान को तैयार नहीं करवाया। जिसकी गलती हम मानते हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 17 अगस्त, 2023

द्वि. सावन मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, प्रतिपदात तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, मघा नक्षत्र सांय 7:58 तक, परिद्व योग सांय 7:29 तक, बव करण सांय 5:36 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–सिंह, बुध–सिंह, गुरू–मेष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज भाद्रपद संक्रांति, सूर्य का मघा सिंह में प्रवेश दिन 1:32 पर होगा। पुण्य काल प्रात: 7:08 से आरम्भ होगा। आज मनसा पूजा समाप्त होगी।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:40 तक, चर 10:54 से 12:31 तक, लाभ–अमृत 12:31 से 3:45 तक, शुभ 5:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:59

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। कानूनी मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु

अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मीन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।